हिन्दी पद्य साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

YouTube [Gyansindhu Coaching Classes]

काल विभाजन

आ० शुक्ल के अनुसार –

1. वीरगाथा काल – सं० 1050 — 1375
2. भक्तिकाल – सं० 1375 — 1700
3. रीतिकाल – सं० 1700 — 1900
4. गद्यकाल/आधुनिककाल – 1900 से - 1984 सं०

Scanned by TapScanner

विभिन्न कालों की प्रमुख विशेषताएं, कवि एवं रचनाएं

क्र. सं.	काल	कवि	रचना	विशेषताएं
१.	वीरगाथाकाल (आदिकाल)	१. चन्दबरदाई	पृथ्वीराज रासो	१. वीर एवं शृंगार रस प्रधान रचनाएं २. आश्रयदाताओं की प्रशंसा ३. कल्पना की प्रचुरता ४. ऐतिहासिकता का अभाव ५. डिंगल-पिंगल भाषा का प्रयोग
		२. जगनिक	परमाल रासो (आल्हखण्ड)	
		३. दलपति विजय	खुमान रासो	
		४. नरपतिनाल्ह	बीसलदेव रासो	
		५. विद्यापति	१. विद्यापति पदावली	१. मैथिली भाषा २. शृंगार रस प्रधान ३. गीति काव्य

Scanned by TapScanner

क्र. सं.	काल	कवि	रचना	विशेषताएं
			२. कीर्तिलता ३. कीर्तिपताका	अपभ्रंश में रचित अपभ्रंश में रचित
		६. अमीर खुसरो	खुसरो की पहेलियां	खड़ीबोली में रचित मनोरंजक साहित्य
२.	भक्तिकाल (अ) सन्तकाव्य धारा	१. कबीर २. गुरु नानक	बीजक जपुजी	१. निर्गुण ब्रह्म की उपासना २. रूढ़ियों का खण्डन ३. मानव मूल्यों पर बल ४. बाह्याडम्बरों का खण्डन ५. गुरु की महत्ता ६. सधुक्कड़ी भाषा ७. रहस्यवादी भावना
	(ब) सूफी काव्यधारा	१. मलिक मोहम्मद जायसी २. कुतुबन ३. मंझन ४. मुल्ला दाउद	पद्मावत, अखरावट आखिरी कलाम मृगावती मधुमालती चन्दायन	१. सूफी कवि २. मसनवी शैली ३. प्रेम की महत्ता ४. हिन्दू संस्कृति का चित्रण ५. वस्तु वर्णन की प्रधानता
	(स) कृष्ण काव्यधारा	१. सूरदास २. नन्ददास	१. सूरसागर २. सूर सारावली ३. साहित्य लहरी १. रास पंचाध्यायी २. भंवर गीत ३. रस मंजरी ४. विरह मंजरी	१. अष्टछाप के कवि २. सखाभाव की भक्ति ३. ब्रजभाषा का प्रयोग ४. वात्सल्य, शृंगार रस की प्रधानता ५. श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन ६. गोपियों की विरह वेदना का चित्रण ७. निर्गुण का खण्डन

Scanned by TapScanner

	(द) राम काव्यधारा	१. तुलसी	१. रामचरितमानस २. विनयपत्रिका ३. कवितावली ४. गीतावली ५. दोहावली ६. जानकी मंगल ७. पार्वती मंगल ८. कृष्ण गीतावली ९. बरवै रामायण १०. हनुमान बाहुक ११. रामलला नहछू १२. वैराग्य संदीपनी	१. दास्य भाव की भक्ति २. ईश्वर के सगुण रूप का चित्रण ३. मर्यादा पुरुषोत्तम राम की लीलाओं का वर्णन ४. ब्रज एवं अवधी भाषा का प्रयोग ५. समन्वय भावना ६. लोक कल्याण की भावना ७. मानवतावादी एवं उपदेश प्रधान काव्य
		२. अग्रदास	१. रामध्यान मंजरी २. रामाष्टयाम	
३.	रीतिकाल (अ) रीतिबद्ध काव्यधारा	१. केशव	१. कविप्रिया २. रसिकप्रिया ३. रामचन्द्रिका ४. विज्ञानगीता ५. छन्दमाला ६. जहांगीर जसचन्द्रिका ७. नख शिख ८. वीरसिंह देव चरित ९. रतन बावनी	१. रीतिग्रन्थों का निर्माण २. काव्यांग निरूपण ३. आश्रयदाताओं की प्रशंसा ४. चमत्कार प्रदर्शन ५. आलंकारिकता की प्रमुखता ६. बहुज्ञता एवं पाण्डित्य प्रदर्शन ७. ब्रजभाषा का प्रयोग

Scanned by TapScanner

क्र. सं.	काल	कवि	रचना	विशेषताएं
		२. पद्माकर	१. जगद्विनोद २. पद्माभरण	
		३. देव	१. भवानी विलास २. कुशल विलास	
	(ब) रीतिसिद्ध काव्यधारा	१. बिहारी	१. बिहारी सतसई	१. श्रृंगार रस की प्रधानता २. चमत्कार प्रदर्शन ३. बहुलता एवं पाण्डित्य प्रदर्शन ४. अलंकारों की प्रधानता ५. हावों-अनुभावों का चित्रण ६. मुक्तक काव्य की रचना ७. ब्रजभाषा का प्रयोग
	(स) रीतिमुक्त काव्यधारा	१. घनानन्द २.वोधा ३. आलम ४. ठाकुर	सुजान सागर, घनानन्द कवित्त विरहवारीश, इश्कनामा आलमकेलि ठाकुर ठसक	१. स्वच्छन्द प्रेम का चित्रण २. विरह वर्णन की प्रधानता ३. मुक्तक काव्य रचना ४. ब्रजभाषा का प्रयोग ५. लाक्षणिक भाषा ६. सौन्दर्य चित्रण ७. रीति के बन्धन से मुक्त काव्य रचना

Scanned by TapScanner

४.	**आधुनिक काल (अ) भारतेन्दु युग**	१. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	१. प्रेम सरोवर २. प्रेम फुलवारी ३. विजय वैजयन्ती ४. प्रेम माधुरी	१. समाज सुधार २. प्रेम चित्रण ३. ब्रजभाषा का प्रयोग ४. देश प्रेम एवं राष्ट्रीयता ५. शृंगार रस की प्रधानता ६. प्रकृति चित्रण
	(ब) द्विवेदी युग	१. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' २. मैथिलीशरण गुप्त	१. प्रियप्रवास २. वैदेही वनवास १. साकेत २. यशोधरा ३. भारत भारती ४. अनघ ५. नहुष ६. पंचवटी ७. जयद्रथ वध ८. द्वापर ९. विष्णुप्रिया १०. जयभारत ११. सिद्धराज	१. इतिवृत्तात्मकता २. समाज सुधार ३. नैतिकतावादी एवं उपदेशपरक काव्य ४. खड़ी बोली का प्रयोग ५. देशप्रेम एवं राष्ट्रीयता ६. शृंगार का मर्यादित वर्णन ७. प्रकृति चित्रण
	(स) छायावादी काव्य	१. जयशंकर प्रसाद २. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	१. कामायनी, २. आंसू ३. झरना, ४. लहर १. अनामिका २. अपरा ३. परिमल ४. बेला ५. नये पत्ते, ६. अणिमा	१. सौन्दर्य चित्रण, २. प्रेम चित्रण ३. प्रकृति निरूपण ४. रहस्यवादी भावना ५. नारी भावना ६. मानवतावाद ७. लाक्षणिकता ८. प्रतीकात्मकता ९. अतिशय भावुकता

Scanned by TapScanner

क्र. सं.	काल	कवि	रचना	विशेषताएं
		३. सुमित्रानन्दन पन्त	१. वीणा २. गुंजन ३. पल्लव ४. ग्रन्थि ५. लोकायतन ६. ग्राम्या ७. युगान्त ८. युगवाणी ९. स्वर्ण किरण १०. स्वर्णधूलि ११. उत्तरा १२. कला और बूढ़ा चांद १३. चिदम्बरा १४. गीत हंस १५. किरण वीणा	
		४. महादेवी वर्मा	१. सांध्यगीत २. दीपशिखा ३. नीहार ४. नीरजा ५. यामा ६. संधिनी	
	(द) **प्रगतिवाद**	१. रामधारी सिंह 'दिनकर'	१. कुरुक्षेत्र २. रश्मिरथी ३. उर्वशी ४. परशुराम की प्रतीक्षा ५. हुंकार ६. रसवंती ७. नील कुसुम ८. हारे को हरिनाम ९. प्रणभंग १०. मृत्ति तिलक	१. परम्परा का विरोध २. शोषण का विरोध ३. शोषितों के प्रति सहानुभूति ४. धर्म और ईश्वर का विरोध ५. नारी भावना ६. मार्क्सवाद का समर्थन ७. क्रान्ति की भावना
		२. नागार्जुन	१. प्रेत का बयान २. युगधारा	
		३. केदारनाथ अग्रवाल	१. युग की गंगा २. लोक आलोक ३ फूल नहीं रंग बोलते हैं	

Scanned by TapScanner

(य) प्रयोगवाद एवं नई कविता	१. अज्ञेय	१. तार सप्तक २. दूसरा सप्तक ३. तीसरा सप्तक ४. चिन्ता ५. हरी घास पर क्षणभर ६. आंगन के पार द्वार ७. कितनी नावों में कितनी बार	१. वैयक्तिकता २. बौद्धिकता ३. अतुकान्त कविता ४. क्षणवादी जीवन दर्शन ५. निराशा एवं कुण्ठा ६. नवीनता के प्रति आग्रह ७. शिल्पगत नवीनता ८. प्रतीकों एवं बिम्बों की प्रमुखता
	२. भवानीप्रसाद मिश्र	१. गीत फरोश	
	३. गजानन माधव 'मुक्तिबोध'	१. चांद का मुंह टेढ़ा है	

Scanned by TapScanner